Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN: 2581-6241 Volume - 3, Issue - 5, Sept-Oct – 2020
Bi-Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 3.589
Received on : 10/09/2020 Accepted on : 29/09/2020 Publication Date: 30/09/2020

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का अध्ययन

देवेन्द्र प्रताप सिंह
पी.एच.डी. शोधार्थी (शिक्षाशास्त्र)
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी
E-mail : devendrapratap99@gmail.com

डॉ. राजीव अग्रवाल
एसो. प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष)
शिक्षक शिक्षा विभाग,
अतर्रा पी.जी. कालेज, अतर्रा, बांदा (उ.प्र)

सारांशः विद्यालय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थी वाह्य रूप से लगभग एकसमान दिखाई देते हैं किन्तु सूक्ष्म रूप में प्रत्येक विद्यार्थी एक दूसरे से अवयव एवं अनुभूति, दोनो दृष्टि से सर्वथा भिन्न होता है। प्रत्येक प्राणी में आकांक्षा नामक एक शीलगुण होता है जो उसे स्वयं के भविष्य के संदर्भ में विभिन्न योजनाओं एवं उद्देश्यों का निर्धारण एवं निरूपण करने में सहायक होता है लेकिन जब प्राणी अपना शैक्षिक जीवन जी रहा होता है तो वह इसी शीलगुण की सहायता से अपने शैक्षिक जीवन उपलब्धि से संबंधित उद्देश्यों का निर्धारण करता है। प्रारम्भ में निर्धारित उद्देश्य काल्पनिक स्वरूप के होते हैं लेकिन धीरे-धीरे वह वास्तविकता का रूप ग्रहण करने लगते हैं।

बीजशब्दः शैक्षिक आकांक्षा, यर्थाथवादिता, आदर्शवादिता, शैक्षिक जीवन उपलब्धि।

१ प्रस्तावना:

शिक्षा मानव विकास का मूल साधन है इसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास, उसके ज्ञान और कला कौशल में वृद्धि एवं व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है। उसे सभ्य सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है।वर्तमान में हमारे देश में आर्थिक असमानता स्तर में बडी तीव्रता से वृद्धि हो रही है। जिसके कारण विद्यार्थियों को शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने हेतु वित्तीय तथा अन्य बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। जब वर्तमान समाज उनकी शैक्षिक महत्वाकाँक्षाओं को बेतुकी महत्वाकाँक्षाओं की योजना कहता है तब वह विद्यार्थी अपने आप में कुसमायोजित होने लगता है और मनःस्ताप की ओर बढ़ने लगता है। मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुसार आकाँक्षा खासकर शैक्षिक आकाँक्षा से संबंधित महत्वाकाँक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने में आज का किशोर विद्यार्थी सबसे अधिक कठिनाई का अनुभव करता है।

जब विज्ञान वर्ग का एक विद्यार्थी अपने लिए कुछ शैक्षिक संदर्भों में भावी लक्ष्य निर्धारित करता है तो वह अपने उन निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पूरे मनोयोग से प्रयास भी प्रारम्भ करता है लेकिन कभी-कभी जब उसे अपने किये गये प्रयासों से आपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं होती तो उसमें निराशा का भाव भी उत्पन्न हो जाता है। चूंकि विज्ञान वर्ग का विद्यार्थी दूसरे विषय वर्गों के विद्यार्थियों के सापेक्ष ज्यादा संवेदनशील माना जाता है उसकी यह संवेदनशीलता ही कभी-कभी स्वयं उसके लिए कई समस्याओं का कारण बनती है उन्हीं समस्याओं में से एक समस्या अपने शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति में असफल हो जाने पर प्रतिकूलन की ओर उसका अग्रसित हो जाना है।

शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श के अभाव में आज का किशोर विद्यार्थी सोशल मीडिया, सामाजिक गतिशीलता, वाह्य लावण्य के कारण अपने लिए अपनी क्षमताओं से परे जाकर अपने लिए उच्च शैक्षिक लक्ष्य निर्धारित कर लेता है और फिर उन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए किये गये प्रयासों से असफलता प्राप्त होने पर दिवा स्वप्नों के कुचक्र में फंसकर अपनी ऊर्जा का क्षय करता है।

२ समस्या कथनः

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के शैक्षिक आकाँक्षा स्तर का अध्ययन।

समस्या कथन में प्रयुक्त शब्दों का परिभाषीकरणः

(क) माध्यमिक स्तर

- **सम्प्रत्यात्मक अर्थ**- माध्यमिक स्तर से तात्पर्य कक्षा 9 एवं 10 में संचालित होने वाली विद्यालयी शिक्षा से है।
- **संक्रियात्मक अर्थ**-प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर से तात्पर्य जनपद कानपुर नगर के शहरी क्षेत्र के यू0पी0 बोर्ड से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत् कक्षा 9 व 10 के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों से है।

(ख) विज्ञान वर्ग

प्रस्तुत अध्ययन में विज्ञान वर्ग विद्याार्थी से तात्पर्य कक्षा 9 एवं 10 स्तर पर यू0पी0 बोर्ड द्वारा निर्धारित विषयों जैसे- रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान एवं गणित आदि विषयों का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों से है।

(ग) शैक्षिक आकांक्षा

- **सम्प्रत्यात्मक अर्थ**-शैक्षिक आकांक्षा से तात्पर्य विद्यार्थी द्वारा अपनी वर्तमान शैक्षिक उपलब्धि के आधार पर भविष्य के लिए निर्धारित शैक्षिक लक्ष्यों एवं उपलब्धियों से है।

- **संक्रियात्मक अर्थ**-प्रस्तुत अध्ययन में शैक्षिक आकांक्षा से तात्पर्य जनपद कानपुर नगर के शहरी क्षेत्र के यू.पी. बोर्ड से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा 9 एवं 10 में अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों द्वारा वी.पी. शर्मा एवं अनुराधा गुप्ता द्वारा निर्मित शैक्षिक आकांक्षा मापनी (**EAS-SG - From P**) पर प्राप्त किये गये प्राप्तांको से है।

३ अध्ययन उद्देश्यः

- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के छात्रों के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के छात्राओं के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन करना।

४ अध्ययन परिकल्पनाएं:

- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के छात्रों का शैक्षिक आकांक्षा स्तर निम्न हैं।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के छात्राओं का शैक्षिक आकांक्षा स्तर निम्न हैं।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक आकाँक्षा स्तर में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

५ अध्ययन परिसीमांकन:

- प्रस्तुत अध्ययन जनपद कानपुर नगर (उत्तर प्रदेश) के शहरी क्षेत्र तक ही सीमित है।
- प्रस्तुत अध्ययन यू0पी0 बोर्ड से मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों तक ही सीमित है।
- प्रस्तुत अध्ययन केवल कक्षा 9 तथा कक्षा 10 में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों तक सीमित है।
- प्रस्तुत अध्ययन 100 विद्यार्थियों के न्यादर्श आकार एवं उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर तक सीमित है।

६ सम्बन्धित साहित्य सर्वेक्षणः

- **शर्मा, एस निधि (2002), छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर** ***"A Study of Parental Involvement and Aspiration and Academic Achievement"*** *विषय* पर शोध कार्य किया। अपने अध्ययन में इन्होंने यह निष्कर्ष पाया कि उच्च और निम्न निष्पत्ति वाले विद्यार्थियों के माता-पिता के व्यवहार में अंतर है साथ ही जिन विद्यार्थियों के माता-पिता का अपनी संतानों के साथ उच्च सकारात्मक सांवेगिक अनुबंधन है उन विद्यार्थियों का शैक्षिक आकांक्षा स्तर उच्च है वहीं जिन विद्यार्थियों के माता-पिता का अपनी संतानों के साथ निम्न स्तरीय सांवेगिक अनुबंधन है उन विद्यार्थियों का शैक्षिक आकांक्षा स्तर निम्न है।
- **आसिफ, मोहम्मद (2010), चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठः** ***"श्माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत मुस्लिम छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षाओं एवं समस्याओं का अध्ययन"*** विषय पर शोध किया। अपने अध्ययन में इन्होंने पाया कि माध्यमिक स्तर की अधिकांश मुस्लिम छात्राओं का शैक्षिक आकांक्षा स्तर उच्च है। कम मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्रों की छात्राओं का शैक्षिक आकांक्षा स्तर उच्च है जबकि अधिक मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्रों की छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षा स्तर निम्न है।
- **गौतम, अमित एवं चन्देल, एन.पी.एस. (2016), दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनीवर्सिटी),** ***"उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन"*** श्विषय पर शोध किया। अपने अध्ययन में इन्होंने पाया कि उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर होता है जबकि उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर में सार्थक अन्तर नहीं होता। छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं शैक्षिक आकांक्षा में निम्न ऋणात्मक सह-संबंध होता है।

७ शोध विधि:

प्रस्तुत अध्ययन में अध्ययन विधि के रूप में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया जिसके अन्तर्गत **Cross Sectional Survey Design** के अन्तर्गत समूह तुलना **(Group Comparison)** तकनीक का प्रयोग किया गया।

अध्ययन चर:

- लिंग (छात्र-छात्राएं)
- शैक्षिक आकाँक्षा स्तर
- शैक्षिक स्तर (माध्यमिक स्तर)

जनसंख्या एवं न्यादर्श:

प्रस्तुत अध्ययन में जनपद कानपुर नगर के शहरी क्षेत्र में स्थित यू.पी. बोर्ड, प्रयागराज से मान्यता प्राप्त समस्त माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 9 एवं 10 में अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के सभी विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में परिभाषित किया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श के रूप में कक्षा 9 एवं 10 में अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया, तथा जिन्हें चुनने के लिए बहुस्तरीय यादृच्छिक न्यादर्शन (Multi Stage Random Sampling) विधि प्रयोग की गयी।

क्रमांक	विद्यालय का नाम	लिंग		कुल विद्यार्थी
		छात्र	छात्राएं	
1-	विद्युत परिषद इण्टर कालेज, कानपुर	10	10	20
2-	जवाहर लाल नेहरू इण्टर कालेज,, कानपुर	10	10	20
3-	जुगल देवी सरस्वती विद्या मन्दिर, कानपुर	10	10	20
4-	बी.एन.एस.डी. शिक्षा निकेतन, कानपुर	10	10	20
5-	कानपुर पब्लिक स्कूल, किदवई नगर, कानपुर	10	10	20
	कुल	50	50	100

अध्ययन उपकरण:

प्रस्तुत अध्ययन में उपकरण के रूप में डा0 वी0पी0 शर्मा एवं डा0 अनुराधा गुप्ता द्वारा निर्मित **Educational Aspiration Scale (EAS-SG - From P)** का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय विधियां:

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्त विश्लेषण एवं परिकल्पना परीक्षण के लिए वर्णनात्मक एवं प्राचल सांख्यिकी संक्रियाओं का प्रयोग किया गया जिसके अंतर्गत मध्यमान ;डद्धए मानक विचलन (SD), क्रांतिक अनुपात (CR) एवं सार्थकता स्तर (SL) आदि का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्त विश्लेषण एवं परिकल्पना परीक्षण:

प्राप्त आंकडों के अंकन एवं सारणीयन के पश्चात कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की अलग-अलग की गयी विविध प्रकार की सांख्यिकीय गणना द्वारा निम्न परिणाम प्राप्त हुए -

प्रयोज्य प्रकृति	प्रयोज्य संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	स्वतंत्रता स्तर	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता स्तर	परिणाम
छात्र	50	34.2	13.75	2.25	98	0.47	0.05(असार्थक)	स्वीकृत
छात्रायें	50	37.4	12.10				0.01(असार्थक)	

८ अध्ययन परिणाम एवं व्याख्या:

- **मध्यमान के आधार पर-** गणना से प्राप्त छात्रों का शैक्षिक आकाँक्षा स्तर का मध्यमान मान 34.2 है तथा छात्राओं काशैक्षिक आकाँक्षा स्तर का मध्यमान मान 37.4 है। उक्त गणना के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि छात्राओं काशैक्षिक आकाँक्षा स्तर निर्धारित मानक से अधिक है साथ ही छात्रों के मध्यमान मान से 3.2 अंक अधिक है अर्थात छात्राओं का शैक्षिक आकांक्षा स्तर छात्रों से अधिक है।
- **मानक विचलन के आधार पर** - गणना से प्राप्त छात्रों के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का मानक विचलन मान 13.75 है तथा छात्राओं का शैक्षिक आकांक्षा स्तर का मानक विचलन मान 12.10 है। इससे यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि छात्रों का मानक विचलन मान छात्राओं के मानक विचलन मान से 1.65 अधिक है। इस प्रकार छात्रों के शैक्षिक आकांक्षा स्तर में छात्राओं की तुलना में कमी होने के बावजूद विस्तार अधिक है अर्थात छात्रों के शैक्षिक आकांक्षा स्तर में विविधता का स्तर अधिक है।
- **क्रान्तिक अनुपात के आधार पर-** गणना से प्राप्त क्रान्तिक अनुपात का मान 0.47 है जो कि 0.05 सार्थकता स्तर एवं 0.01 सार्थकता स्तर के मानक मान क्रमशः 1.96 तथा 2.58 से काफी कम है। अतः गणना मान दोनो ही सार्थकता स्तरों पर असार्थक है परिणामतः परिकल्पना स्वीकृत होती है। इस प्रकार विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं की शैक्षिक आकाँक्षा स्तर में कोई सार्थक अन्तर नही है। अतः यह कहा जा सकता है कि विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं का शैक्षिक आकांक्षा स्तर एकसमान है। इस प्रकार शैक्षिक आकांक्षा स्तर पर लिंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

९ अध्ययन निष्कर्ष:

- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग की छात्राओं का शैक्षिक आकाँक्षा स्तर छात्रों की तुलना में आंशिक रूप से उच्च है।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्रों केशैक्षिक आकाँक्षा स्तर में छात्राओं की तुलना में विस्तार एवं विविधता अधिक है।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं केशैक्षिक आकाँक्षा स्तर में कोई सार्थक अन्तर नहीं है अर्थात शैक्षिक आकांक्षा स्तर का व्यक्ति लिंग के साथ कोई सम्बन्ध नहीं होता है।

संदर्भ सूची:

- शर्मा, आर.ए. (2009), "*शैक्षिक अनुसंधान*", मेरठ: लाल बुक डिपो, पृ.सं. 05-06
- गुप्ता, एस.पी. (2009),"*सांख्यिकीय विधिया*", इलाहाबाद:शारदा पुस्तक भवन, पृ.सं. 12.14
- जायसवाल, डॉ. सीताराम (2008),"*भारतीय शिक्षा का विकास एवं समस्याएं*", लखनऊ: विद्या प्रकाशक, पृ.सं. 28-30.
- पाण्डेय, के.पी. (2012), "*शैक्षिक अनुसंधान*", वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन, पृ.सं. 17-18
- आसिफ, मोहम्मद (2010), "*माध्यमिक स्तर पर मुस्लिम छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षाओं एवं समस्याओं का अध्ययन* ", मेरठ: चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (अप्रकाशित शोध प्रबन्ध)
- गौतम, अमित एवं चन्देल, एन.पी.एस. (2016), "*उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन*", आगरा: दयाल बाग एजूकेशलन इंस्टीट्यूट
- https://shodganga.inflibnet.ac.in
- www.nuepa.org/new/pub-pripreksh.aspx
- www.ncert.nic.in/publication/journals/journal.html